Literacy for a Billion

Movie: Waqt
Year: 1965

Song: Kaun Aaya Ki Nigahon Mein
Lyricist: Sahir Ludhianvi

कौन आया कि निगाहों में
चमक जाग उठी
दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी

कौन आया कि निगाहों में
चमक जाग उठी
दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी
कौन आया

किसके आने की ख़बर लेके
हवाएँ आईं
किसके आने की ख़बर लेके
हवाएँ आईं
जिस्म से फूल चटकने की
सदाएँ आईं
जिस्म से फूल चटकने की
सदाएँ आईं
आ आ आ ...
रूह खिलने लगी
रूह खिलने लगी
साँसों में महक जाग उठी

दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी

कौन आया कि निगाहों में
चमक जाग उठी
दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी
कौन आया

किसके हाथों ने मेरे
हाथों से कुछ माँगा है
किसके हाथों ने मेरे
हाथों से कुछ माँगा है
किसके ख़्वाबों ने मेरी
रातों से कुछ माँगा है
किसके ख़्वाबों ने मेरी
रातों से कुछ माँगा है
आ आ आ...

साज़ बजने लगे
साज़ बजने लगे
आँचल में झलक जाग उठी
दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी
कौन आया कि निगाहों में
चमक जाग उठी
दिल के सोए हुए तारों में
खनक जाग उठी
कौन आया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.